University in News on 04 August 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

बीवीए-बीएफए का पहला सीट आवंटन जारी

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए चल रही प्रवेश प्रक्रिया के क्रम में शनिवार को बीवीए-बीएफए कोर्स के अभ्यर्थियों को पहला सीट आवंटन जारी कर दिया।

प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने पत्र जारी करते हुए कहा कि अभ्यर्थी विवि की वेबसाइट के एडमिशन पेज पर लॉगिन आईडी और पासवर्ड के माध्यम से सीट आवंटन का विस्तृत विवरण देख सकते हैं। उन्होंने कहा कि सीट आवंटन से संतुष्ट विद्यार्थी छह अगस्त तक सीट कंफर्मेशन शुल्क जमा करा दें।

लविवि

कल से शुरू होंगी एलएलबी की कक्षाएं : लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में पांच अगस्त से एलएलबी इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम की कक्षाएं शुरू होंगी। इस कोर्स में प्रवेश लेने वाले अभ्यर्थियों का ओरिएंटेशन कार्यक्रम पूरा हो चुका है। संकायध्यक्ष प्रो. बीडी सिंह ने बताया कि कक्षाओं की समय सारिणी विवि की वेबसाइट और विभाग के नोटिस बोर्ड पर मौजूद है।

प्रबंध अध्ययन संकाय बनने पर अभिनंदन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रबंध अध्ययन संकाय के निर्माण पर शनिवार को अभिनंदन कार्यक्रम हुआ। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने संकाय के नए नाम के साथ नाम पट्टिका का उद्घाटन किया। डीन प्रो. संगीता साहू, डॉ. अनु कोहली, संजय मेधावी व अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 8

बीवीए-बीएफए का सीट आवंटन जारी

एलयू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शनिवार को स्नातक प्रवेश परीक्षा के अन्तर्गत बीवीए-बीएफए का पहला सीट आवंटन जारी कर दिया है। जिन अभ्यर्थियों को सीट आवंटित हुई उन्हे छह अगस्त तक ऑनलाइन सीट कन्फर्मेशन शुल्क जमा करना होगा। सीट आवंटन की सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। अधिक जानकारी के लिए एलयू की वेबसाइट देख सकते हैं।

सांख्यिकी आंकड़ों का विश्लेषण सिखाया: एलयू के अर्थशास्त्र विभाग एवं जनसंख्या अनुसंधान की ओर हुई एक सप्ताह की कार्यशाला का समापन शनिवार को हुआ।

जानकारी के अनुसार बता दें कि कार्यशाला में 85 शोध छात्रों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला के संयोजक एवं सहायक आचार्य डॉ. दिनेश यादव ने बताया कि कार्यशाला का उद्घाटन 29 जुलाई को हुआ था।

लॉ के छात्रों को बताया संसाधनों के बारे में

विधि संकाय में एलएलबी (ऑनर्स) प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए शनिवार को ओरिएंटेशन सत्र का आयोजन किया गया। सत्र का उद्देश्य नए छात्रों को शैक्षणिक वातावरण से परिचित कराना व विश्वविद्यालय के संसाधनों और अवसरों से अवगत कराना था। नेतृत्व एसोसिएट प्रोफेसर अनुराग श्रीवास्तव और पंच ऋषि देव शर्मा ने किया। प्रो. अनुराग श्रीवास्तव ने भविष्य की सफलता के लिए विधिक शिक्षा की नींव के महत्व पर जोर दिया।

प्रबंध विभाग ने कुलपति का अभिनन्दन किया

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रबंध विभाग ने कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को सम्मानित करने के लिए एक अभिनंदन समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में नए प्रबंध अध्ययन संकाय के निर्माण में उनके असाधारण नेतृत्व और मार्गदर्शन का उत्सव मनाया गया। साथ ही प्रबंध अध्ययन संकाय की नई नाम पट्टिका का अनावरण किया गया, जो एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। कुलपति प्रो. आलोक राय ने प्रबंधन शिक्षा और अनुसंधान के भविष्य पर विचार रखे।

JAGRAN CITY PAGE III

उप कुलसचिवों को कार्यक्षेत्र आवंटित हुए

जासं● लखनऊ : लवि के तीनों उप कुलसचिवों के कार्यक्षेत्र आवंटित किए गए। उप कुलसचिव शशि प्रभा तिवारी परीक्षा, छात्रवृत्ति और कुलसचिव की ओर से दिए जाने वाले कार्य देखेंगी। उप कुलसचिव प्रमोद कुमार मिश्रा शिक्षक, सम्बद्धता, रिक्रूटमेंट एंड असेसमेंट सेल, अभिलेख, प्रवेश, शैक्षिक, सामान्य प्रशासन, स्टोर, टेंडर, शिक्षणेत्तर, विधिक व डिस्पैच का कार्य देखेंगे। उप कुलसचिव महेश चंद्र लेखा, जनसूचना, आइजीआरएस, विभिन्न आयोगों से संबंधित कार्य, प्रोजेक्ट, विकास, शोध आदि कार्य देखने की जिम्मेदारी दी गई है।

विद्यार्थियों को हास्टल आवंटन

लखनऊ : लवि ने चार पाठ्यक्रमों के विभिन्न सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं को नए सत्र के लिए हास्टल का पुनः आवंटन कर दिया है। इनमें बीटेक, बीफार्मा, बीसीए व एमसीए के विद्यार्थी शामिल हैं। छह अगस्त तक फीस जमा करने का समय दिया गया है। (जासं)

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

कार्यशाला से शोधार्थियों के शोध कार्य में मदद : प्रो. अरविंद मोहन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में अर्थशास्त्र विभाग एवं जनसंख्या अनुसंधान के संयुक्त तत्वावधान में चल रही एक सप्ताह की कार्यशाला का समापन शनिवार को संपन्न हुआ। कार्यशाला के समापन अवसर पर डीन आर्ट्स प्रो. अरविंद मोहन ने शोध छात्रों को संबोधित करते हुए कार्यशाला के आयोजन के लिए सभी को बधाई दी एवं कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम निश्चय ही शोधार्थियों के शोध कार्य में मददगार होते हैं जिससे शोधार्थी आधुनिक तकनीक द्वारा आंकड़ो का आसानी से विश्लेषण कर पाते हैं। अर्थशास्त्र के विभागाध्यक्ष एवं जनसंख्या अनुसंधान केंद्र के निदेशक प्रो. विनोद सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि विभाग में ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं और भविष्य में अन्य आधुनिक तकनीक से आंकड़ो के विश्लेषण के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ताकि अर्थशास्त्र विषय में बेहतर शोधकार्य को बढ़ावा दिया जा सके। इससे पूर्व विशेषज्ञ डॉ. अशोक कुमार का स्वागत मोमेंटो देकर किया गया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट भी दिये गये।

कुलपति ने शिक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने का दिया मंत्र

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रबंध अध्ययन संकाय के प्रबंध विभाग ने कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को सम्मानित करने के लिए एक अभिनंदन समारोह का आयोजन शनिवार को किया। इस कार्यक्रम में नए प्रबंध अध्ययन संकाय के निर्माण में उनके असाधारण नेतृत्व और मार्गदर्शन का उत्सव मनाया गया। प्रबंध अध्ययन संकाय की नई नाम पट्टिका का अनावरण किया, जो एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। प्रबंध विभाग की हेड प्रो. संगीता साहू ने कहा कि प्रो. आलोक कुमार राय की दूरदर्शिता और समर्पण ने प्रबंध अध्ययन संकाय की स्थापना और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके गतिशील नेतृत्व में, विश्वविद्यालय ने अकादमिक उत्कृष्टता और अनुसंधान प्रगति में महत्वपूर्ण मील के पत्थर हासिल किए हैं। कार्यक्रम में मासिक अकादमिक अनुसंधान स्पेक्ट्रम का पहला खंड भी लांच किया गया। यह विभाग के शोध विद्वानों द्वारा किए गए शोध कार्यों को दुनिया भर के एकेडमिक लोगों के बीच साझा करने की एक पहल है। सम्मान समारोह में प्रो. आलोक कुमार राय ने एक प्रेरक संबोधन दिया, जिसमें उन्होंने प्रबंधन शिक्षा और अनुसंधान के भविष्य पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्राधिकरण के साथ बहुत बड़ी जिम्मेदारी आती है, जिसमें हमारे छात्रों के प्रति सबसे बड़ी जिम्मेदारी शामिल है। इसके साथ ही हम प्रबंध अध्ययन संकाय के लिए मान्यता प्राप्त करने की आकांक्षा के बारे में सोच सकते हैं। उन्होंने प्रबंध शिक्षा और अनुसंधान में मानव केंद्रितता की आवश्यकता पर भी ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने सोसाइटी 5.0 के बारे में बात की और बताया कि शिक्षा के प्रसार में मानव केंद्रितता के दृष्टिकोण के साथ शिक्षा प्रणाली को कैसे फिर से और बेहतर बनाया जा सकता है। उनके शब्द दर्शकों, विशेष रूप से शोध विद्वानों के साथ गहरायी से गूंज उठे, जिन्होंने अपने शैक्षणिक और पेशेवर सफर के लिए उनके मार्गदर्शन को अमूल्य पाया।

TOI PAGE 3

LU offers research programme for foreign teachers, scientists

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Reaching out to foreign shores, Lucknow University will start a researcher-in-residence programme this year for teachers and scientists. Under the programme, teachers and scientists would get the facility to stay on the LU campus, conduct research and teach students.

The guidelines for the programme have been finalised and will be tabled before the university's executive council soon.

"Researcher-in-residence programme is based on participatory research collaboration across the stakeholders. It aims to foster collaboration and create an environment conducive to meaningful research interactions. The programme will welcome international scholars from various disciplines and institutions from abroad to engage in research activities, share their expertise, and contribute to the intellectual vibrancy of our academic community," said vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai.

The eligibility criteria would be PhD or an equivalent research experience in the field concerned. Also, applicant should be a faculty or scientist or equivalent in a recognized university/ college/ institution/ industry based outside India. "To join the programme, a candidate must have a research proposal outlining the objectives, methodology and expected outcomes of the research project. It should clearly mention the outcomes and should also have an undertaking of the scholar to take weekly teaching and mentoring during their stay at LU," said the VC Applicants must also have a teaching proposal as they will be required to teach at LU for a semester. The classes can be taken in hybrid mode during an academic session, with mandatory offline teaching for at least a month.

"Visiting researchers are expected to produce tangible research outputs during their stay, such as publications, conference presentations, or collaborative projects. Collaborating faculty from LU has to be a part of any resulting output such as research publications, conference presentations, or collaborative projects. Also, researchers would be encouraged to actively engage with the academic community, including faculty, students, and fellow researchers and knowledge exchange," said dean, academics, Prof Geetanjali Mishra.

Applicants with strong academic background and a demonstrated record of research excellence would be given preference, she said.

GUIDELINES FOR THE PROGRAMME

Application Process | To remain open year-long. Applications should be submitted at least 6 months prior to their proposed residency duration

Duration | Programme is designed for a three-month stay. Applicants should specify preferred dates of residency within the academic calendar. In exceptional cases, duration may be increased with VC's permission

Facilities & Support:

Research Facilities | Visiting researchers will have access to labs, libraries, and other research facilities throughout the university as required for their project

Accommodation & Food | The university will provide accommodation and food for the stay

Contingent grant | The university will provide ₹10,000 per month as a contingent grant